15.07.2020
बी०ए०- खण्ड-II
अर्थशास्त्र (प्र०)- द्वितीय पत्र
"Taxation"
Public Finance.

डॉ० बिपिन कुमार
प्रो०, अर्थशास्त्र विभाग
आर०आर०एस० कॉलेज, मोकामा
पी०पी०यू०-पटना

प्रश्न: कर क्या है? यह कितने प्रकार का होता है? कर के प्रकार में अन्तर बताते हैं?

उत्तर: किसी भी देश की अर्थव्यवस्था को सुचारु एवं सुव्यवस्थित तरीके से संचालित करने में कर (tax) की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। सरकार के लिए कर आय के सबसे बड़े स्रोतों में से एक है। देश के नागरिक कई अलग-अलग तरीकों से कई तरह के करों का भुगतान करते हैं। इस तरह देश अंतर्गत विभिन्न संस्थाएँ भी अलग-अलग तरीकों से कर लगाती हैं। सामान्यतया, कर प्रायः धन (money) के रूप में लगाया जाता है लेकिन यह धन के समान श्रम के रूप में भी लिया जा सकता है। अतः हम यह कह सकते हैं कि "किसी भी राज्य के द्वारा व्यक्तियों या विभिन्न संस्थाओं से जो धन या आधिपत्य लिया जाता है वही कर कहलाती है।"

वर्तमान समय में कराधान (taxation) किसी भी सरकार के लिए आय का सर्वाधिक महत्वपूर्ण स्रोत है। करदाताओं के द्वारा भुगतान किये गये कर ही सरकार की आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक, प्रशासनिक एवं अन्य कई आवश्यक गतिविधियों को मूर्त रूप प्रदान करती है। कर सामाजिक उद्देश्य यथा, आय एवं संपत्ति की असमानता को कम करके उच्च रोजगार स्तर को प्राप्त करने तथा आर्थिक स्थिरता एवं वृद्धि को प्राप्त करने में मददगार साबित होता है। कर एक ऐसा भुगतान है जो सरकार के द्वारा निर्धारित नियम एवं विधि के अनुसार किया जाता है। भुगतान कर के बदले किसी भी तरह की प्रत्यक्ष सेवा या सुविधा प्रदान नहीं की जाती है। कर लोगों के द्वारा किया जाने वाला आवश्यक भुगतान है। यदि कोई व्यक्ति कर का समय पर भुगतान नहीं करता है तो नियम-कानून के अनुसार, उस व्यक्ति को दण्डित किया जाता है। आय, संपत्ति तथा किसी वस्तु की खरीद के समय, कर लगाया जाता है। सरकार के द्वारा कर (करारोपण) निम्नलिखित उद्देश्यों से निर्धारित किया जाता है:

(1) आय प्राप्त करना
(2) विनियमन तथा नियंत्रण करना
(3) साधनों का आवंटन
(4) असमानता को कम करना,
(5) आर्थिक विकास एवं
(6) कीमत वृद्धि पर नियंत्रण,

वैसे तो कर कई प्रकार के होते हैं लेकिन दो तरह के कर ही अधिक प्रचलन और चर्चा में हैं; प्रत्यक्ष कर एवं अप्रत्यक्ष कर। सरकार प्रायः इन्हीं दो माध्यमों से कर जुटाती है-- इसकी चर्चा हम निम्नलिखित रूपों में कर सकते हैं:—

(1) प्रत्यक्ष कर (Direct Taxes): प्रत्यक्ष कर से अभिप्राय ऐसे करों से है जिसमें शामिल करों को किसी दूसरे व्यक्ति को हस्तान्तरित नहीं किया जा सकता है। उदाहरणस्वरूप, आयकर एवं व्यक्ति

के द्वारा सीधे सरकार को भुगतान किया जाता है। इस मामले में, कर का बोझ प्रत्येक उस व्यक्ति पर सीधे रूप में आता है जो कर (भुगतान के अनुसार) लायक आय का उपार्जन करता है। वह व्यक्ति इस कर को किसी अन्य व्यक्ति को हस्तांतरित नहीं कर सकता है।

(2) अप्रत्यक्ष कर (Indirect Tax): अप्रत्यक्ष कर दूसरे तरह के कर हैं-- ऐसे करों का हस्तान्तरण दूसरे व्यक्तियों पर किया जा सकता है। उदाहरणस्वरूप, VAT (GST) जो वस्तु और सेवाओं के मूल्य के साथ जुड़ा होता है-- जिन्हें आप दूसरों से खरीदते हैं। प्रारंभिक रूप से यह कर (अधिभार) लगाया जाता है-- जो एक ... या सेवा प्रदाता पर, यह कर (अधिभार) अन्य उपभोक्ताओं पर उच्च मूल्यों के रूप में स्थानान्तरित हो जाता है।

इस प्रकार हम यह देखते हैं कि प्रत्यक्ष कर सरकार को सीधे तौर पर करदाता के द्वारा भुगतान किया जाता है। प्रत्यक्ष कर को हम इस रूप में भी परिभाषित कर सकते हैं कि जिसमें कर उसी व्यक्ति के द्वारा प्रत्यक्षतः या सीधे भुगतान किया जाता है-- जिस पर वह लगाया जाता है। निर्धारित करों के (अनुसार) प्रकार के अनुसार केन्द्र और राज्य सरकारों के द्वारा जमा (एकत्र) किया जाता है। इन (प्रत्यक्ष) कर में निम्नलिखित कर शामिल हैं:

(i) आय कर (Income Tax): इसे विभाग के द्वारा निर्धारित कर का भुगतान उसी व्यक्ति के द्वारा किया जाता है, जिस पर यह लगाया जाता है।

(ii) सम्पत्ति कर (Wealth Tax): एक ऐसा कर जो किसी व्यक्ति की सम्पत्ति के मूल्य पर लगाया जाता है।

(iii) उपहार कर (Gift Tax): यह कर कर योग्य उपहार प्राप्त करने वाले व्यक्ति पर लगाया जाता है।

(iv) विरासत कर (~~Estate~~ Property Tax) (Inheritance Tax): एक ऐसा कर जो विरासत के मामले में किसी व्यक्ति पर लगाया जाता है।

(v) फ्रिंज लाभ कर (Fringe Benefit Tax): ऐसा कर नियोक्ता पर लगाया जाता है जो कर्मचारियों को फ्रिंज लाभ प्रदान करता है। यह कर राज्य सरकार के द्वारा निर्धारित किया जाता है।

(vi) Corporate Tax (निगम कर): यह कर निगमों और कंपनियों के लाभ (मुनाफे) पर लगाया जाता है।

अब हम अप्रत्यक्ष कर पर चर्चा करेंगे जिस कर का भुगतान करने का दायित्व (उस व्यक्ति पर पड़ता) जिसको किसी अन्य व्यक्ति से वस्तु और सेवाओं के मूल्य के साथ लिया ... अप्रत्यक्ष कर (Indirect Tax) के अन्तर्गत निम्नलिखित प्रमुख कर आते हैं

MAY 2020

(i) बिक्री कर (Sales Tax): यह कर किसी खुदरा विक्रेता (Retailer) (Shop keeper) या दुकानदार के द्वारा भुगतान किया जाता है जो उपभोक्ता (consumer / customer) पर स्थानांतरित हो जाता है।

(ii) सेवा कर (Service Tax): एक ऐसा कर जो उपभोक्ताओं को दी गई सेवाओं पर शुल्क के रूप में भुगतान किया जाता है।

(iii) मनोरंजन कर (Entertainment Tax): यह सिनेमा मालिकों के द्वारा भुगतान किया जाता है जो दर्शकों से वसूला जाता है।

(iv) Excise Duty (उत्पाद शुल्क): यह निर्माता (manufacturer) के द्वारा भुगतान किया जाता है और खुदरा (Retailers) और थोक (whole sellers) विक्रेताओं को स्थानान्तरित हो जाता है।

(v) सीमा शुल्क (custom Duty): एक ऐसा कर जो देश से बाहर से आने वाली वस्तुओं पर (आयात शुल्क) अंततः उपभोक्ता और खुदरा विक्रेता के द्वारा भुगतान किया जाता है।

अन्तर: अब हम प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष करों के बीच अन्तर स्पष्ट करेंगे;

प्रत्यक्ष कर (Direct Tax)	अप्रत्यक्ष कर (Indirect Tax)
(i) यह कर व्यक्तियों, हिन्दु अविभाजित परिवारों (HUF), फर्मों, कम्पनियों आदि पर लगाया जाता है और भुगतान किया जाता है।	(i) इस कर का भुगतान अंततः वस्तु और सेवाओं के अन्तिम उपभोक्ता के द्वारा किया जाता है।
(ii) प्रत्यक्ष कर को किसी दूसरे व्यक्ति पर हस्तांतरित नहीं किया जा सकता है।	(ii) अप्रत्यक्ष कर का स्थानान्तरण आसानी से दूसरे व्यक्तियों पर कर दिया जाता है।
(iii) प्रत्यक्ष कर मुद्रा स्फीति को कम करने में सहायक होता है।	(iii) अप्रत्यक्ष कर में मुद्रा स्फीति को बढ़ावा मिलता है।
(iv) प्रत्यक्ष करों में कर की चोरी आसान नहीं है एवं असंभव है।	(iv) अप्रत्यक्ष कर में कर की चोरी करना संभव है कारण कि यह वस्तु और सेवाओं पर लगायी जाती है।
(v) प्रत्यक्ष करों पर अप्रत्यक्ष करों के मुकाबले बेहतर आवंटित है जबकि	(v) अप्रत्यक्ष करों में कर संग्रह अप्रत्यक्ष करों की तुलना में आसान है।
(vi) प्रत्यक्ष कर की वसूली केवल संबंधित व्यक्तियों से की जाती है जबकि	(vi) अप्रत्यक्ष करों में व्यापक क्षेत्र आता है क्योंकि, वस्तु और सेवाओं के माध्यम से कर की वसूली की जाती है।
(vii) प्रत्यक्ष कर को प्रगतिशील कर भी कहा जाता है- इससे असमानताओं को कम करने में मदद मिलती है जबकि	(vii) अप्रत्यक्ष करों 'प्रतिगामी कर' माना गया है, जिस में असमानताएं बढ़ जाती हैं।
(viii) प्रत्यक्ष करों में उच्च प्रशासनिक लागत शामिल है।	(viii) अप्रत्यक्ष करों में कम प्रशासनिक लागतें शामिल हैं।

प्रत्यक्ष कर	अप्रत्यक्ष कर
(ix) प्रत्यक्ष कर बचत को कम और निवेश को हतोत्साहित करते हैं।	(ix) अप्रत्यक्ष कर विकास के प्रति अधिक उन्मुख होते हैं कारण कि वे उपभोग को हतोत्साहित करते हैं।
(x) प्रत्यक्ष कर में किसी भी प्रकार का अतिरिक्त कर नहीं लगाया जाता है जबकि	(x) अतिरिक्त अप्रत्यक्ष कर शराब, सिगरेट आदि नशीले या हानिकारक वस्तुओं पर लगाया जाता जिससे देश को एक सामाजिक सुधार में अतिरिक्त मदद मिलती है।

उपरोक्त विश्लेषण कर, कर के उद्देश्य, कर के प्रकार और करों में अन्तर स्पष्ट हो जाता है। //